।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

KAVYITRI BAHINABAI CHAUDHARI
NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

मानविकी विद्याशाखा

Choice Based Credit System (CBCS)
रूचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम

Syllabus For

S. Y. B. A.

HINDI

(IIIrd & IVth Semister)

w.e.f.June 2019

Choice Based Credit System (CBCS)

रूचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम

बी. ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय/चतुर्थ सत्र

हिंदी पाठ्यक्रम तालिका

तृतीय सत्र

Sr. No.	Subject Code	Title of Paper	Credits (श्रेयांक)
1	MIL-HIN - 236	लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (लघुकथा)	03
2	DSC-HIN 231 (A)	कथेत्तर गद्य विधाएँ	02
3	DSC-HIN 231 (B)	प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)	02
4	SEC-HIN - 234	भाषिक संप्रेषण	03
5	DSE-HIN 232	काव्यशास्त्र	03
6	DSE-HIN 233	उपन्यास विधा (समय सरगम)	03

चतुर्थ सत्र

Sr. No.	Subject Code	Title of Paper	Credits (श्रेयांक)
1	MIL-HIN - 246	लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (गीत-नवगीत)	03
2	DSC-HIN-241 (A)	श्रेष्ठ हिंदी एकांकी	02
3	DSC-HIN-241 (B)	प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)	02
4	DSC-HIN-245	लघु अध्ययन परियोजना (Project)	03
5	SEC-HIN 244	अनुवाद विज्ञान	02
6	DSE-HIN 242	काव्यशास्त्र	03
7	DSE-HIN 243	नाटक विधा (धरती आबा)	03

- **MIL : Media Information Literacy (सूचना एवं संचार माध्यम सजगता)**
- **DSC : Discipline Specific Core Course (मुख्यांश पाठ्यक्रम)**
- **SEC : Skill Enhancement Course (कौशल विकास संवर्धन पाठ्यक्रम)**
- **DSE : Discipline Specific Elective Course (अनुशासित विशेष वैकल्पिक पाठ्यक्रम)**

महत्वपूर्ण सूचनाएँ :

1. **MIL (सूचना एवं संचार माध्यम-ज्ञान) यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। व्दितीय वर्ष में प्रवेशित प्रत्येक छात्र को मराठी,हिंदी,संस्कृत,पाली,अर्धमागधी इनमें से महाविद्यालय में उपलब्ध अंग्रेजी विषय को छोडकर किसी भी एक भाषा का MIL पाठ्यक्रम के रूप में चयन करना अनिवार्य है।**
2. **DSC-1 (C) A कथेत्तर गद्य विधाएँ और DSC-1 (C) B प्रयोजनमूलक हिंदी इन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम का चयन करना है।**
3. **DSE-I A और DSE-II A इन हिंदी अनुशासित विशेष स्तर पाठ्यक्रम का चयन करने वाले छात्रों को चतुर्थ सत्र में DSC -III (D) लघु अध्ययन परियोजना हेतु हिंदी विषय का पाठ्यक्रम DSC -III (D) Hindi का चयन करना अनिवार्य है। लघु अध्ययन परियोजना लेखन का यह पाठ्यक्रम केवल चतुर्थ सत्र के लिए ही है।**
4. **तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के अंतर्गत रखा गया SEC-I और SEC-II इन कौशल विकास संवर्धन Skill Enhancement Course पाठ्यक्रम में छात्र महाविद्यालय में उपलब्ध किसी भी पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।**
5. **छात्रों को आगे स्नातकोत्तर कक्षा में जिस विषय का चयन करना है उस विषय में स्नातक स्तर की उपाधि लेते समय कम से कम 24 क्रेडिट होना अनिवार्य है।**
6. **प्रत्येक पाठ्यक्रम के अध्यापनार्थ 45 तासिकाएँ निर्धारित हैं।**
7. **प्रत्येक पाठ्क्रम 100 अंकों का है जिसमें से 40 अंक अंतर्गत मूल्यांकन हेतु तथा 60 अंक सत्रांत परीक्षा हेतु निर्धारित है।**

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव
मानविकी विद्याशाखा
Choice Based Credit System (CBCS)
रुचि आधारित साख पद्धति पाठ्यक्रम
व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र
MIL- HINDI
MIL-HIN - 236 लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (लघुकथा)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1) छात्रों को रचनात्मक लेखन के सैध्दांतिकी से अवगत कराना।
2) अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्रों से छात्रों का परिचय करवाना।
3) रचनात्मक लेखन के विविध रूपों से छात्रों को परिचित कराना।
4) हिंदी लघुकथाओं के माध्यम से रचनात्मक लेखन की सर्जन प्रक्रिया को दर्शाना।
5) हिंदी लघुकथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का संवर्धन एवं संरक्षण करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई - I मीडिया लेखन :

1) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व एवं आवश्यकता
2) पत्रकारिता के प्रकार : ग्रामीण पत्रकारिता, कृषी पत्रकारिता, दूरदर्शन पत्रकारिता, फिल्मी पत्रकारिता,वेब पत्रकारिता एवं खेल पत्रकारिता।
3) विज्ञापन : स्वरूप, महत्त्व एवं आवश्यकता, विज्ञापन के प्रकार

इकाई - II साहित्य लेखन : कहानी एवं लघुकथा

1) कहानी एवं लघुकथा का उद्‌भव एवं विकास
2) कहानी एवं लघुकथा के तत्त्वों का विवेचन
3) कहानी एवं लघुकथा में अंतर

इकाई III पाठ्यपुस्तक : हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ (1875 - 2015)

संपादक : डॉ. रामकुमार घोटड़
प्रकाशक - नमन प्रकाशन
423/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
संस्करण - 2007

✦ निर्धारित पाठ्यपुस्तक की निम्नलिखित लघुकथाएँ अध्ययन-अध्यापनार्थ रखी गई है :-

1.	एक टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे	11	विश्वास - सतीशराज पुष्करणा
2	झलमला - पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	12	अपना-पराया - हरिशंकर परसाई
3	अधिकारी पाकर - माखनलाल चतुर्वेदी	13	समय समय की बात - ब्रजभूषण सिंह आदर्श

4	कलावती की शिक्षा - जयशंकर प्रसाद	14	आम आदमी - शंकर पुणतांबेकर
5	बड़ा क्या है ? - पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी	15	इतिहास पुरूष - डॉ. श्यामसुंदर दास
6	सेठ जी - कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर	16	रिश्ता - चित्रा मुद्गल
7	राष्ट्र का सेवक - मुंशी प्रेमचंद	17	सुहाग-व्रत - डॉ. शंकुतला किरण
8	गिलट - उपेन्द्रनाथ `अश्क`	18	रक्षा - गोविंद शर्मा
9	शौचालय - विनोबा भावे	19	सफाई अभियान - अंजीव अंजुम
10	बीज बनने की राह - रामधारी सिंह दिनकर	20	अंतर - रतनकुमार सांभरिया

संदर्भ पुस्तकें :

१. भारत का हिंदी लघुकथा संसार : संपादक डॉ. रामकुमार घोटड़, साहित्य सागर प्रकाशन, चौड़ा रस्ता, जयपुर
२. प्रतिनिधि लघुकथा शतक - रत्नकुमार सांभरिया, अनामय प्रकाशन, जयपुर
३. लघुकथा संग्रह भाग दो - जयमन्त मिश्र,साहित्य अकादमी ,नई दिल्ली
४. रचनात्मक लेखन - संपा. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
५. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
६. हिंदी की समकालीन लघुकथाएँ - डॉ.रामकुमार घोटड़, वाङ्मय प्रकाशन,जयपुर
७. सामाजिक सरोकार की लघुकथाएँ- डॉ.रामकुमार घोटड़, वाङ्मय प्रकाशन,जयपुर
८. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
९. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ दक्षा हिमावत-अभय प्रकाशन
१०. प्रयोजमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम-डॉ. अंबादास देशमुख,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
११. प्रयोजनमलक हिंदी चिन्तन-अनुचिन्तन संपादक डॉ. सुधाकर शेंडगे,विकास प्रकाशन,कानपुर
१२. जनसंचार का समाजशास्त्र लक्ष्मेंद्र चोपडा ,आधार प्रकाशन,पंचकुला हरियाणा
१३. जनसंचार माध्यमों में हिंदी-चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी,नयी दिल्ली
१४. ईलेक्ट्रॉनिक मीडिया और चुनौतिया सम्पादक -रवींद्र कालिया,भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१५. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता-प्रो.जयमोहन,एम.एस/डॉ. सुमा.एम.एस,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
१६. हिंदी पत्रकारिता कल और आज- डॉ.ऋचा, शर्मा नमन प्रकाशन ,नई दिल्ली
१७. आधुनिक पत्रकारिता के विविध आयाम- डॉ.बी.आर.बारड/डॉ. डी.एम.दोमडिया,रावत प्रकाशन,नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (आठ में से छः)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से छः)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव

मानविकी विद्याशाखा

Choice Based Credit System (CBCS)

रुचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSC-HIN 231 (A) : कथेत्तर गद्य विधाएँ

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) कथेत्तर गद्य विधा का विकासात्मक परिचय प्रस्तुत कराना।
2) कथेत्तर गद्य विधा की कालजयी रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।
3) कथेत्तर गद्य विधा की रचनाओं के माध्यम से छात्रों में मूल्य संवर्धन कराना।
4) कथेत्तर गद्य विधा की रचनाओं के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

हिंदी अध्ययन मंडल,कबचौउमवि,जलगाँव व्दारा संपादित पाठ्यपुस्तक -

कथेत्तर गद्य विधाएँ (प्रतिनिधि रचना) - वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

संपादित पुस्तक में से निम्न प्रतिनिधिक रचनाएँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं :-

इकाई - I

- **निबंध : राष्ट्र का स्वरूप - डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल**
- **संस्मरण : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर**
- **रेखाचित्र : रज़िया - रामवृक्ष बेनीपुरी**
- **जीवनी अंश : धरती और धान - पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'**
- **आत्मकथा अंश : चोरी और प्रायश्चित -महात्मा गांधी**
- **रिपोर्ताज : अदम्य जीवन - डॉ. रांगेय राघव**
- **यात्रा वर्णन : पतझर के पात -अज्ञेय**
- **व्यंग्य : एक गोप कक्ष - डॉ. शंकर पुणतांबेकर**
- **डायरी : प्रवास की डायरी - डॉ. हरिवंशराय बच्चन**
- **संबोधन : युवाओ से - स्वामी विवेकानंद**

इकाई - II प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- **शरीर के भिन्न-भिन्न अवयवों पर केन्द्रित निबंध लेखन।**
- **सामाजिक जीवन यापन करते समय जिस किसी ने भी आपको प्रभावित किया हो उससे जुडी हुई संस्मरणीय यादों का वर्णन।**
- **गाँव, गली और मुहल्ले के किसी व्यक्ति का रेखाचित्र।**
- **व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी किसी यात्रा का वर्णन।**

- **जीवन यापन करते समय बोली गई, सुनी गई या पढ़ी हुई व्यंग्योक्तियों का संकलन एवं अर्थ विवेचन।**
- **जीवन यापन करते समय आए किसी एखाद् सुखद या दुःखद या अन्य प्रसंग का वर्णन।**
- **आत्मकथात्मक लेखन।**
- **गाँव,गली और मुहल्ले में स्थित किसी विशेष व्यक्ति से साक्षात्कार कर उसका लेखन।**
- **वर्तमान दशक की हिंदी पत्र -पत्रिकाओं में प्रकाशित निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वर्णन, रिपोर्ताज, व्यंग्य, जीवनी और आत्मकथा की आलोचना।**

● संदर्भ पुस्तकें :-

1. हिंदी आत्मकथाएँ संदर्भ और प्रकृति - डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय, विनय प्रकाशन, कानपुर
2. काव्यशास्त्र : विविध आयाम - संपा. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3. सुबोध काव्यशास्त्र - डॉ. जालिंदर इंगळे , चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
4. हिंदी आत्मकथा - डॉ. नारायण शर्मा, पुस्तक संस्थान, कानपुर
5. श्रेष्ठ हिंदी निबंधकार - सुरेश गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान - अनुपमा प्रभुणे, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
7. अमृतलाल नागर का जीवनपरक उपन्यास - डॉ. सुरेखा झाडे, अमन प्रकाशन, कानपुर
8. रामवृक्ष बेनीपुरी - रामबच्चन राय, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
9. रामवृक्ष बेनीपुरी रचना संचयनी - मस्तराम कपूर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. रांगेय राघव - मधुरेश, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई I पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSC-1 (C) A HINDI : कथेत्तर गद्य विधाएँ इस पाठ्यक्रम के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

DSC-HIN 231 (B) प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. **शब्द संसाधन के अंतर्गत छात्रों को मुहावरों का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग करने का प्रशिक्षण देना।**
2. **संपादन की कला से छात्रों को अवगत कराना।**
3. **श्रव्य और दृश्य संचार के विविध माध्यमों से छात्रों को परिचित कराना।**
4. **मुद्रित माध्यम तथा संक्षेपण और पल्लवन का सामान्य परिचय कराना।**

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई - I

- शब्द संसाधन : मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग।
- संपादन कला : अर्थ, तत्त्व, प्रकार, संपादकीय लेखन।
- संचार माध्यम और हिंदी भाषा : श्रव्य और दृश्य माध्यम - रेडिओ, दूरदर्शन, सिनेमा, कम्प्युटर (संगणक), इंटरनेट का सामान्य परिचय, माध्यमों की उपयोगिता और हिंदी भाषा प्रयोग।
- मुद्रित माध्यम : पत्र, पत्रिका, पोस्टर, हैंडबिल में हिंदी भाषा प्रयोग।
- संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई - II प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- हिंदी मुहावरों और कहावतों का अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग।
- हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित संपादकीय लेख्रन का विवेचन एवं विश्लेषण।
- संपादन कला का अर्थ बताकर स्वरूप का प्रतिपादन।
- संपादन कला के विविध प्रकारों का विवेचन।
- संपादन कला के प्रमुख तत्वों का विवेचन एवं विश्लेषण।
- श्रव्य और दृश्य हिंदी संचार माध्यमों का परिचय।
- आकाशवाणी तथा एफ.एम रेडियों पर प्रसारित होने वाले हिंदी कार्यक्रमों का विवेचन।
- दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले हिंदी कार्यक्रमों का विवेचन।
- वर्तमान दशक में प्रसारित हिंदी सिनेमा की सूची बनाकर उसकी कथा का संक्षिप्त परिचय।
- संगणक प्रणाली के लाभों का विवेचन।
  संचार के विविध माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रभाव का विश्लेषण।
- मुद्रित माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग की बढ़ती संभावनाओं का विवेचन।

* प्रयोजनमूलक हिंदी हेतु मुहावरे नमूना सूची *

मुहावरों की नमूना सूची :

आग में घी डालना - क्रोध को भडकाना
आग लगाना-चुगली करना
अक्ल चरने जाना - बुध्दि नष्ट हो जाना
उलटी - सीधी सुनाना - फटकारना
एक आँख से देखना - समान व्यवहार करना
उँट के मुँह में जीरा - ज्यादा आवश्यकता वाले को कम देना
कमर टूटना - निराश हो जाना
कलई खुलना - भेद खुल जाना
खून के घूँट पीना -सह लेना , गुस्से को पी जाना
गले का हार बनना-अति प्रिय होना
गंगा नहाना-निवृत्त होना
घास खोदना-व्यर्थ समय बिताना
घर का बोझ उठाना-घर बार संभालना
घर सिर पर उठा लेना -शोर मचाना
घाट-घाट का पानी पीना - जगह - जगह घूमना
घोड़े बेचकर सोना - बेफिक्र हो जाना
चाँद पर धूल उडाना-निर्दोष व्यक्ति में दोष निकालना
चिराग लेकर ढूँढना -तलाश करना
छक्के छुडाना - पराजित करना
छोटा मुँह बड़ी बात करना - हैसियत से बड़ी बात करना
जबान में लगाम न होना - उलटा - सीधा बकना
जान से हाथ धोना- जान गवाना
झक मारना - व्यर्थ में समय गवाना
टाँग अडाना - बाधा डालना
टका-सा जबाब देना - साफ इंकार करना
ढाक के तीन पात - जैसे के तैसे
तारे गिनना - नींद न आना
दिन काटना - समय बिताना
पट्टी पढ़ाना - बहकाना
बालू की भीत जमाना - असंभव की आशा करना
भीगी बिल्ली बनना - चुपचाप रहना
विष उगलना- किसी के विरूध्द अनाप-शनाप कहना
आस्थिन का साँप - विश्वासघाती
आसमान टूटना- विपत्ति में पडना
खिचड़ी पकाना - गुप्त रूप से कार्य करना
गाजर - मूली समझना - अत्यंत शक्तिहीन समझना
टेढी खीर - कठिन कार्य
दाँत खट्टे करना - पराजित करना

दाल न गलना	-	कार्य न बनना
नाक रगडना	-	गिडगिडाना
पासा पलटना	-	परिस्थिति बदलना
बगल झाँकना	-	उत्तर न देना
भण्डा फूटना	-	भेद खुलना
मुँह फुलाना	-	असंतुष्ट होना , नाराज होना
रंग में भंग	-	आनंद में विघ्न
लट्टू होना	-	मुग्ध होना
हाथ मलना	-	पछताना
हवाई किले बनाना	-	निराधार बातें सोचना
अंधे की लकडी	-	एकमात्र सहारा
आँखों से गिरना	-	आदर घटना

• संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद

4) दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद्र मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली - 2

5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2 और भाग 3 - डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन, कानपुर

6) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन, कानपुर

7) वैश्वीकरण और हिंदी मानकीकरण - डॉ. हणमंतराव पाटील
विद्या प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित हिंदी मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग। (8 में से 6)	12
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) अ) दिए गए परिच्छेद पर एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण करना।	06
आ) दी गई चार उक्तियों में से किसी एक का पल्लवन करना।	06

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

DSC-HIN 231 (A) और DSC-HIN 231 (B)
इन प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रमों के संदर्भ में
कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की पहली इकाई पर 60 अंकों की लिखित परीक्षा विश्वविद्यालय के व्दारा सत्र के अंत में संपन्न होगी।
- प्रत्येक सत्र में 40 अंक प्रात्यक्षिक परीक्षा के लिए होंगे।
- पाठ्यक्रम के इकाई -II में उल्लेखित विषयों में से किन्हीं चार विषयों पर चार प्रात्यक्षिक छात्रों को प्रात्यक्षिक कापी में लिखने हैं।
- प्रात्यक्षिक कापी के प्रथम पृष्ठ पर छात्र का नाम, कक्षा, रोल नंबर, विषय का नाम तथा प्रात्यक्षिक का शीर्षक स्पष्ट रूप में उल्लेखित हो। प्रथम पृष्ठ पर ही विषय से संबंधित आचार्य का तथा प्रधानाचार्य का नाम तथा हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।
- प्रस्तुत प्रात्यक्षिक कापी का मूल्यांकन विषय से संबंधित आचार्य को ही करना है।
- प्रात्यक्षिक लेखन संबंधि मार्गदर्शन हेतु 30 तासिकाओं का प्रावधान है।
- सत्र के अंत में विषय शिक्षक को प्रत्येक छात्र की मौखिक परीक्षा लेनी है जिसे 15 अंक निर्धारित है।
- अंतर्गत अंकों की जानकारी पहले जिस प्रकार प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर के साथ विश्वविद्यालय को दी जाती थी उसी परंपरा के अनुसार प्रात्यक्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों का विवरण भी विश्वविद्यालय को प्रेषित करना है।
- मूल्यांकन के पश्चात प्रात्यक्षिक कापी विषय से संबंधित आचार्य को प्रधानाचार्य के पास जमा करनी है।
- प्रात्यक्षिक परीक्षा हेतु निर्धारित 40 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा :-

अंतर्गत प्रात्यक्षिक परीक्षा	प्रात्यक्षिक कापी/फाईल	20
	मौखिक परीक्षा	15
	उपस्थिति	05
	कुल अंक	**40**

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

SEC-HIN - 234 : भाषिक संप्रेषण

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) हिंदी भाषा के भाषिक स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
2) भाषिक संप्रेषण की सैध्दांतिकी से छात्रों को परिचित कराना।
3) संप्रेषण के प्रमुख प्रकारों से छात्रों का परिचय कराना।
4) मौखिक संप्रेषण के विविध रूपों से छात्रों को अवगत कराना।
5) लिखित संप्रेषण के विविध रूपों से छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I - भाषिक संप्रेषण :-

अ) हिंदी का भाषिक स्वरूप :

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ, भाषा के विविध रूप : मातृभाषा, सृजनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, विश्वभाषा, भाषा के प्रकार्य।

आ) संप्रेषण का सैद्धांतिक विवेचन :-

संप्रेषण का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, संप्रेषण की प्रक्रिया, संप्रेषण का प्रयोजन, संप्रेषण के प्रमुख तत्त्व, संप्रेषण की विशेषताएँ, संप्रेषण का महत्त्व एवं चुनौतियाँ।

इकाई II - संप्रेषण के प्रमुख प्रकार :-

अ) मौखिक संप्रेषण :

मौखिक संप्रेषण अर्थ एवं स्वरूप, मौखिक संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण, मौखिक संप्रेषण के लाभ एवं दोष, मौखिक संप्रेषण के प्रकार : संवाद, बातचीत, साक्षात्कार, उद्घोषणा, व्याख्यान, वाद विवाद, वक्तृत्व एवं रेडियो वार्ता।

आ) लिखित संप्रेषण :

अर्थ एवं स्वरूप, अनिवार्य तत्त्व, लिखित संप्रेषण के लाभ एवं दोष, लिखित साहित्य से होनेवाला संप्रेषण, लिखित संप्रेषण के प्रकार : समाचार लेखन, रिपोर्ट लेखन, प्रेस विज्ञप्ति, ई-मेल, ब्लॉग, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि।

● संदर्भ पुस्तकें :-

1) संप्रेषण एवं बैंकिंग व्यवस्था - डॉ. सुभाष गौड़, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनुपचंद्र पु. भायाणी
3) हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
4) हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

5) भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान - डॉ. अंबादास देशमुख
6) हिंदी भाषा और संप्रेषण - डॉ. सुनील कुलकर्णी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 2) इकाई II पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) टिप्पणियाँ	12
अ) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (2 में से 1)	06
आ) इकाई II पर आधारित टिप्पणियाँ (2 में से 1)	06

बी. ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSE-HIN 232 : काव्यशास्त्र

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना।
2) काव्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
3) अलंकारों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई - I

- काव्य तथा साहित्य की परिभाषाएँ - संस्कृत, अंग्रेजी तथा हिंदी की प्रचलित परिभाषाओं की व्याख्या ।
- क) काव्य के हेतु ।
  ख) काव्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)
  (सूक्ष्म अध्ययन अपेक्षित नहीं)

इकाई - II

- काव्य के तत्त्व - भावतत्त्व, बुध्दितत्त्व, कल्पनातत्त्व एवं शैलीतत्त्व
- काव्य के भेद :
  - अ) भेद का आधार - श्रवणीयता एवं दृश्यात्मकता ।
  - आ) प्रबंधकाव्य : महाकाव्य एवं खंडकाव्य ।
    मुक्तक काव्य : गीतिकाव्य, ग़ज़ल (स्वरूप एवं अंग)।
    मुक्तक एवं प्रबंध काव्य में अंतर ।

इकाई - III

- अलंकार -
  - अ) काव्य में अलंकारों का स्थान
  - आ) निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय

1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) उपमा 5) दृष्टांत
6) विरोधाभास 7) अतिशयोक्ति 8) संदेह 9) भ्रांतिमान 10) उदाहरण

संदर्भ ग्रंथ :

1)	साहित्य विवेचन	-	क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2)	काव्यशास्त्र	-	डॉ.भगिरथ मिश्र
3)	काव्य प्रदीप	-	कन्हैयालाल पोद्दार
4)	साहित्यशास्त्र	-	डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
5)	काव्यशास्त्र विविध आयाम	-	डॉ. मधु खराटे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I तथा II पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I तथा II पर आधारित विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित प्रश्न	
अ) काव्य में अलंकारों का स्थान	06
आ) अलंकारों का सोदाहरण परिचय (3 में से 1)	06

बी.ए. व्दितीय वर्ष - तृतीय सत्र

DSE-HIN 233 : उपन्यास विधा

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) हिंदी उपन्यास विधा का विकासात्मक परिचय कराना।
2) हिंदी के प्रमुख उपन्यासकारों का सामान्य परिचय देना।
3) निर्धारित उपन्यास के माध्यम से छात्रों को मानवीय जीवन में समय का महत्व, व्यक्ति की विश्वव्यापी स्वाधीनता,वृध्दों की समस्या ,मूल्य संवर्ध्दन,संयुक्त परिवार आदि से अवगत कराना।
4) उपन्यास के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति छात्रों में एहसास जगाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I -

- उपन्यास विधा का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषाएँ।
- उपन्यास विधा का तात्त्विक विवेचन।

इकाई II -

- हिंदी उपन्यास-साहित्य का विकासात्मक परिचय :- प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंदयुगीन तथा प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों का सामान्य परिचय।
- हिंदी उपन्यास विधा में कृष्णा सोबती का योगदान।

इकाई III :-

समय सरगम - कृष्णा सोबती
प्रथम संस्करण 2008 दूसरी आवृत्ति 2014
राजकमल प्रकाशन, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग,
दरियागंज, नई दिल्ली

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1) रांगेय राघव के जीवनीपरक उपन्यास - डॉ. छाया पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर
2) हिंदी के कालजयी उपन्यास - डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3) महिला उपन्यासकार : पारिवारिक जीवन के बदलते संदर्भ - डॉ. कल्पना किरण पाटोळे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
4) कृष्णा सोबती की कथा-भाषा - डॉ. एन. जयश्री, विद्या प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई III पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I और II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव

मानविकी विद्याशाखा

Choice Based Credit System (CBCS)

रुचि आधारित साख्र पद्धति पाठ्यक्रम

व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

MIL-HIN - 246 : लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (गीत-नवगीत)

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) मीडिया लेखन कौशल से छात्रों को अवगत कराना।
2) मीडिया लेखन कौशल के विविध प्रकारों से छात्रों को परिचित कराना।
3) साहित्य लेखन कौशल से छात्रों को अवगत कराना।
4) हिंदी गीत तथा नवगीतों के माध्यम से छात्रों में संवेदनशीलता विकसित कराना।
5) हिंदी गीत तथा नवगीतों से छात्रों को परिचित कराना।
6) हिंदी गीत तथा नवगीतों के माध्यम से लेखन की सर्जन प्रक्रिया को दर्शाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I - मीडिया लेखन :

i) प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा।

ii) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम - रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म, पटकथा लेखन।

iii) सोशल मीडिया : व्हाट्सप, फेसबुक,ट्वीटर, इंस्टाग्राम।

इकाई II - साहित्य लेखन : गीत एवं नवगीत

i) गीत तथा नवगीत का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन ।

ii) हिंदी गीत तथा नवगीतों का विकासात्मक परिचय ।

iii) गीत-नवगीत का रचना सौष्ठव : भाषाशैली, गेयता, प्रतीक, बिम्ब, अलंकार और छंद।

इकाई III : हिंदी अध्ययन मंडल, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव व्दारा संपादित पाठ्यपुस्तक -

गीत-नवगीत (प्रतिनिधि रचनाएँ)

प्रकाशक : यश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्स प्रा.लि., नई दिल्ली

निर्धारित गीत एवं नवगीत :-

1. सूर्यकान्त त्रिपाठी `निराला`	-	मातृ वन्दना ।
2. माखनलाल चतुर्वेदी	-	बदरिया थम-थम कर झर री ।
3. हरिवंशराय बच्चन	-	खेत हरियाए तो मन हरियाए ।
4. गिरिजाकुमार माथुर	-	आज शरद की पूरनमासी ।
5. देवेन्द्र शर्मा 'इन्द्र'	-	सूर्य हैं हम ।
6. गुलाब सिंह	-	उन्हें पुकारों।
7. अनूप अशेष	-	बहुत गहरे हैं पिता ।
8. बुद्धिनाथ मिश्र	-	कोसी गाती ।
9. श्यामसुन्दर दुबे	-	तीरथ घाट बिकाने ।
10. उमाकान्त मालवीय	-	गंगोत्री में पलना झूले ।
11. ओमप्रकाश सिंह	-	रूप तुम्हारा ।
12. श्रीराम परिहार	-	तम छटेगा ।
13. जीवन नहीं मरा करता है..	-	गोपाल दास 'निरज'
14.उतनी दूर पिया तुम मेरे गाँव से	-	डॉ. कुँअर बेचैन
15. मन समर्पित तन समर्पित	-	रामावतार त्यागी

संदर्भ पुस्तकें :-

1) गीत से नवगीत - डॉ. सुभाष श्रीवास्तव, अभय प्रकाशन कानपुर

2) नवगीत एक अनवरत धारा - डॉ. पार्वती गोस्साई, विनय प्रकाशन,कानुपर

3) श्रेष्ठ हिंदी गीत संचयन - कन्हैयालाल नंदन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

4) नयी कविता एवं नवगीत - डॉ. गीता अस्थाना, विद्या प्रकाशन, कानपुर

5) समकालीन नवगीत का विकास -डॉ. राजेश सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

6) नये गीत का उद्‌भव और विकास - रमेश रंजक,पुस्तकायन प्रकाशन , नयी दिल्ली

7) नवगीत संवेदना और शिल्प - डॉ. सत्येन्द्र शर्मा ,साहित्य संगम प्रकाशन,इलाहाबाद (प्रयागराज)

8) नवगीत सर्जन और समीक्षा - संपादक डॉ. भगवान शरण भारद्वाज,कामायनी प्रकाशन,नयी दिल्ली

9) हिंदी नवगीत युगीन संवदेना - डॉ. रामनाराण पटेल, अनुभव प्रकाशन, गाजियाबाद

10) हिंदी नवगीत संदर्भ और सार्थकता -संपादन डॉ. वेदप्रकाश/डॉ. रंजना शर्मा, गिरनार प्रकाशन महेसना

11) नवगीत इतिहास और उपलब्धियाँ- डॉ. राजेन्द्र गौतम, शारदा प्रकाशन, नयी दिल्ली

12) समकालीन हिंदी कविता का परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवगीत - शंभुनाथ सिंह, संजय बुक सेंटर वाराणसी

13) लोकप्रियता के शीखर गीत -सम्पादक डॉ. विष्णु शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन,न-ायी दिल्ली

14) नवगीत दशक -शंभुनाथ सिंह - पराग प्रकाशन दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I एवं II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) तीनों इकाईयों पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

बी. ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
DSC-HIN-241 (A) : श्रेष्ठ हिंदी एकांकी

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) एकांकी विधा का विकासात्मक परिचय कराना।
2) प्रमुख एकांकीकारों का सामान्य परिचय प्रस्तुत करना।
3) एकांकियों के माध्यम से रंगमंचीय प्रभाव को विशद कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव के हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पुस्तक :

श्रेष्ठ हिंदी एकांकी
संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल ,कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई I - निर्धारित एकांकियाँ :-

- दीपदान - रामकुमार वर्मा
- माँ - विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा - जगदीशचंद्र माथुर
- नये मेहमान - उदयशंकर भट्ट
- बहुत बड़ा सवाल - मोहन राकेश
- जान से प्यारे - ममता कालिया
- तौलिया - उपेन्द्रनाथ अश्क
- छोटी मछली बडी मछली - तेजपाल चौधरी

इकाई - II प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- हिंदी की कालजयी एकांकी का सामान्य परिचय।
- वर्तमान दशक में प्रकाशित एकांकी की कथावस्तु का विवेचन।
- वर्तमान दशक के प्रमुख एकांकीकारों का स्थूल परिचय ।
- ऐतिहासिक एकांकी के मंचन में आने वाली समस्याएँ।
- राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंचित होनेवाली एकांकी प्रतियोगिता की रिपोर्ट तैयार करना।

- युवारंग, पुरूषोत्तम करंडक में प्रदर्शित होने वाली हिंदी एकांकी का विवेचन एवं विश्लेषण।
- पाठ्यपुस्तक में समावेशित एकांकी का मंचन कर उसमें रंगमंचीय दृष्टि से आने वाली समस्याओं का विवेचन।
- रेडियो, दूरदर्शन तथा विविध चैनलों पर प्रदर्शित होनेवाली हिंदी एकांकियों का महत्त्व ।
- रेडियो, दूरदर्शन तथा विविध चैनलों पर प्रदर्शित होनेवाली हिंदी एकांकियों का जनमानस पर प्रभाव।

● संदर्भ पुस्तकें :-

1) रामकुमार वर्मा के एकांकी नाटक - डॉ. सर्जेराव जाधव, विनय प्रकाशन,कानपुर
2) हिंदी एकांकी - सिद्धार्थ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3) एकांकी और एकांकी - डॉ. सुरेन्द्र यादव, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4) इक्कीस श्रेष्ठ एकांकी - राजपाल गोस्वामी
5) हिंदी नाटक आज कल - डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई I पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

बी. ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

DSC-I (D) A - HINDI : श्रेष्ठ हिंदी एकांकी इस पाठ्यक्रम के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

DSC-HIN-241 (B) प्रयोजनमूलक हिंदी

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) शब्द संसाधन की जानकारी देना।
2) मानक हिंदी और संवैधानिक हिंदी का परिचय कराना।
3) कार्यालयीन कार्यव्यवहार एवं पत्रव्यवहार की जानकारी देना।
4) फाइलिंग प्रणाली की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I :-

- शब्द संसाधन : अर्थभेदकारी शब्दयुग्म (नमूना सूची संलग्न)
- मानक हिंदी : हिंदी मानकीकरण के प्रयत्न, मानक हिंदी का स्वरूप और नियमावली का परिचय।
- हिंदी का संवैधानिक स्वरूप : अनुच्छेद क्रमांक 343 से 351 का सामान्य ज्ञान। कार्यालयीन हिंदी प्रयोग की समस्याएँ एवं समाधान
- फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान : फाइलिंग का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता और विशेषताएँ।
- कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि, अनुभाग - डायरी, मोहर, वितरण, आवती-जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर, प्रेषण, पावती।
- कार्यालयीन पत्राचार : कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र, परिपत्र, संकल्प, प्रेसनोट।

इकाई II :- प्रात्यक्षिक लेखन (कोई चार)

- स्थानीय बोली भाषा के शब्दों का संकलन कर उसका अर्थ बताए।
- केन्द्रिय हिंदी निदेशालय ,नई दिल्ली व्दारा प्रकाशित मानक हिंदी संबंधी नियमावली का अध्ययन एवं विश्लेषण।
- हिंदी भाषा के संवैधानिक स्वरूप को प्रतिपादित कर अनुच्छेदों का विवेचन एवं विश्लेषण करें।
- राजभाषा हिंदी के स्वरूप का प्रतिपादन।
- कार्यालयीन कामकाज में फाईलिंग प्रणाली के फायदों का विवेचन।
- फाईलिंग प्रणाली की आवश्यकताओं और विशेषताओं का विवेचन।
- कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि, अनुभाग - डायरी, मोहर, वितरण, आवती-जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर, प्रेषण, पावती आदि का महत्त्व।

- कार्यालयीन पत्राचार में कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र, परिपत्र, संकल्प, प्रेसनोट आदि के महत्व का प्रतिपादन।
- कार्यालयीन पत्राचार के प्रमुख साधन कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र, परिपत्र, संकल्प, प्रेसनोट आदि नमूनों का संकलन।
- स्थानीय सरकारी तथा अर्ध सरकारी कार्यालयों को भेट देकर रिपोर्ट तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

१) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।

२) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

३) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद

४) दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेन्द्र मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली -2

५) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2 और भाग 3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर

६) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

अर्थ भेदाकारी शब्दयुग्म की नमूना सूची :

अनल	-	आग	अनिल	-	हवा
ईशा	-	ऐश्वर्य	ईषा	-	हल की लंबी लकडी
उपल	-	पत्थर	उत्पल	-	कमल
कंगाल	-	गरीब	कंकाल	-	ठठरी,हड्डियों का ढाँचा
दिन	-	दिवस	दीन	-	गरीब
कुल	-	वंश	कूल	-	किनारा
खासी	-	अच्छी	खाँसी	-	एक रोग
गाडी	-	वाहन	गाढी	-	गहरी
गृह	-	घर	ग्रह	-	नक्षत्र
चिर	-	पुराना	चीर	-	कपडा
छत्र	-	छाता	छात्र	-	विद्यार्थी
जलद	-	बादल	जलज	-	कमल
तरंग	-	लहर	तुरंग	-	घोडा
तोश	-	हिंसा	तोष	-	संतोष
दिवा	-	दिन	दीवा	-	दीपक
निशाचर	-	राक्षस	निशाकर	-	चंद्रमा
नीर	-	जल	नीड	-	घोसला
परीक्षा	-	इम्तिहान	परिक्षा	-	कीचड
पानी	-	जल	पाणि	-	कर
बहु	-	बहुत	बहू	-	पुत्रवधू

रंक	-	दरिद्र	रंग	-	वर्ण
शर	-	बाण	सर	-	सरोवर
सदेह	-	देह के साथ	संदेह	-	शक
स्वेद	-	पसीना	श्वेत	-	सफेद
हरि	-	विष्णु	हरी	-	हरे रंग की
आदि	-	आरंभ / इत्यादि	आदी	-	कोई कार्य बारबार करना
अली	-	सखी	अलि	-	भौंरा
अवधि	-	समय	अवधी	-	हिंदी की बोली
अभिराम	-	सुंदर	अविराम	-	निरंतर
अनिष्ठ	-	निष्ठाहिन	अनिष्ट	-	हानि, बुराई
कपि	-	बंदर	कपी	-	घिरनी
चिता	-	शमशान की चिता	चीता	-	एक वन्य जीव
कंजर	-	नीच पुरूष	कुंजर	-	हाथी
तरणी	-	नौका	तरूणी	-	युवा स्त्री
देव	-	देवता	दैव	-	भाग्य

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) अर्थभेदकारी शब्दयुग्म का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (8 में से 6) 12

प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) 12

प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) 12

प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) 12

प्र. क्र. 5) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2) 12

(इकाई II यह प्रात्यक्षिक लेखन के लिए है।)

DSC-HIN-241 (A) और DSC-HIN-241 (B)
इन प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रमों के संदर्भ में
कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की पहली इकाई पर 60 अंकों की लिखित परीक्षा विश्वविद्यालय के व्दारा सत्र के अंत में संपन्न होगी।
- प्रत्येक सत्र में 40 अंक प्रात्यक्षिक परीक्षा के लिए होंगे।
- पाठ्यक्रम के इकाई -II में उल्लेखित विषयों में से किन्हीं चार विषयों पर चार प्रात्यक्षिक छात्रों को प्रात्यक्षिक कापी में लिखने हैं।
- प्रात्यक्षिक कापी के प्रथम पृष्ठ पर छात्र का नाम, कक्षा, रोल नंबर, विषय का नाम तथा प्रात्यक्षिक का शीर्षक स्पष्ट रूप में उल्लेखित हो। प्रथम पृष्ठ पर ही विषय से संबंधित आचार्य का तथा प्रधानाचार्य का नाम तथा हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।
- प्रस्तुत प्रात्यक्षिक कापी का मूल्यांकन विषय से संबंधित आचार्य को ही करना है।
- प्रात्यक्षिक लेखन संबंधि मार्गदर्शन हेतु 30 तासिकाओं का प्रावधान है।
- सत्र के अंत में विषय शिक्षक को प्रत्येक छात्र की मौखिक परीक्षा लेनी है जिसे 15 अंक निर्धारित है।
- अंतर्गत अंकों की जानकारी पहले जिस प्रकार प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर के साथ विश्वविद्यालय को दी जाती थी उसी परंपरा के अनुसार प्रात्यक्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों का विवरण भी विश्वविद्यालय को प्रेषित करना है।
- मूल्यांकन के पश्चात प्रात्यक्षिक कापी विषय से संबंधित आचार्य को प्रधानाचार्य के पास जमा करनी है।
- प्रात्यक्षिक परीक्षा हेतु निर्धारित 40 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा :-

अंतर्गत प्रात्यक्षिक परीक्षा	प्रात्यक्षिक कापी/फाईल	20
	मौखिक परीक्षा	15
	उपस्थिति	05
	कुल अंक	**40**

बी.ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

DSC-HIN-245 : लघु अध्ययन परियोजना (Project)

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) छात्रों में अनुसंधान वृत्ति को विकसित कराना।
2) छात्रों के लेखन कौशल का विकास साधना।
3) परिवेश संबंधी जानकारी से छात्रों को अवगत कराना।
4) अनुंसधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से छात्रों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

परियोजना लेखन संबंधी अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित मुद्दों के संदर्भ में छात्रों को मार्गदर्शन करना अपेक्षित है :-

- अनुसंधान से तात्पर्य ?
- प्रकल्प लेख्रन हेतु विषय का चयन।
- अनुसंधान विषय की परिकल्पना।
- अनुसंधान हेतु आवश्यक सामग्री।
- अनुसंधान हेतु परियोजना पद्धतियाँ।
- प्राप्त जानकारी का लेखन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण।
- संदर्भ लेखन प्रविधि।
- संदर्भ सूची लेखन।
- परियोजना लेखन की भाषा।
- लघु अध्ययन परियोजना का लेखन का प्रारूप।

● लघु अध्ययन परियोजना विषयों की नमूना सूची :-

1) लोकभाषाओं का अध्ययन - अहिराणी, गुजर, लेवा, मावची, देहवाली आदि स्थानीय बोलियाँ।
2) लोक साहित्य का अध्ययन
3) लोक कथाओं का संग्रह
4) लोक गीतों का अध्ययन
5) संस्कार गीतों का संग्रह
6) लोक नाट्यों का अध्ययन
7) लोकोक्तियों का संग्रह

8) लोकोत्सवों का अध्ययन

9) कृषि संबंधी शब्दावली का संग्रह

10) नदी से जुड़े संस्कारों एवं पर्वों से संबंधित शब्दावली का संग्रह

11) विभिन्न कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी शब्दावली का अध्ययन

12) पर्यावरण से संबंधित शब्दों का संग्रह एवं उनका हिंदी अर्थ

13) वृक्ष अभिप्राय से संबंधित शब्दों का संग्रह एवं उनका हिंदी अर्थ

14) वृक्ष अभिप्राय से संबंधित शब्दावली का अध्ययन

15) लोकसंगीत एवं उससे जुड़ी स्वर पंक्तियों का अध्ययन

16) ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कृतियों का समीक्षात्मक परिचय

17) स्थानीय साहित्यकारों से संवाद अथवा साक्षात्कार

18) स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिवेदन

19) महाविद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव तथा अन्य उत्सवों का प्रतिवेदन

20) दैनिक समाचार पत्रों की भाषा एवं शब्दावली का अध्ययन तथा विश्लेषण

सूचना : उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त विषय शिक्षक अपने परिवेश संबंधी आवश्यकताओं एवं महत्त्व के अनुसार लघु अध्ययन परियोजना के विषय का चयन कर सकते हैं।

- **लघु अध्ययन प्रकल्प लेखन एवं मूल्यांकन संबंधी महत्वपूर्ण नियमावली :-**
    - लघु अध्ययन परियोजना न्यूनतम 30 और अधिकतम 40 पृष्ठों का होना चाहिए।
    - लघु अध्ययन परियोजना विद्यार्थी का स्वंय हस्तलिखित होना चाहिए।
    - लघु अध्ययन के लिए व्यक्तिगत भेंट, प्रत्यक्ष संवाद, दूरभाष पर चर्चा, साक्षात्कार, प्रश्नावली तैयार कर उत्तर प्राप्त करना, दृश्य-श्रव्य उपकरणों के माध्यम से सामग्री संग्रहित करना आदि माध्यमों तथा अनुसंधान पद्धतियों का उपयोग किया जा सकता है।
    - लघु अध्ययन परियोजना के प्रथम पृष्ठ पर विषय से संबंधित आचार्य,विभाग प्रमुख तथा प्रधानाचार्य जी का नाम तथा हस्ताक्षर का उल्लेख अनिवार्य है।

- सत्र समाप्ति के पहले छात्रों को लघु अध्ययन परियोजना संबंधित विषय शिक्षक के पास जमा करना जरूरी है।
- लघु अध्ययन परियोजना का मूल्यांकन संबंधित विषय शिक्षक को ही करना है।
- छात्रों व्दारा जमा किए गए लघु अध्ययन परियोजना को 60 अंक निर्धारित है और उस पर आधारित अंतर्गत परीक्षा हेतु 40 अंक निर्धारित है।
- दोनों प्रकार के मूल्यांकन की स्वतंत्र सूची तैयार कर परंपरागत पध्दति के अनुसार विश्वविद्यालय को प्रेषित करनी है।
- लघु अध्ययन परियोजना लेखन के 100 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से रहेगा :

परियोजना लेखन	परियोजना लेखन फाईल	60 अंक
अंतर्गत 40 अंकों का विभाजन	नियमित उपस्थिति तथा आचरण	10 अंक
	परियोजना लेखन प्रस्तुतीकरण (मौखिकी)	30 अंक
	कुल अंक	**100**

संदर्भ पुस्तकें :-

1) नवीन शोध विज्ञान - डॉ. तिलकसिंह, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

2) शोध:स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि- बैजनाथ सिंह

3) शोध के नए आयाम -डॉ. बी.के.कलासवा

4) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे

5) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया -डॉ.राजेन्द्र मिश्रा

6) शोध प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. हरिश अरोड़ा

7) शोध प्रक्रिया - डॉ. सरनामसिंह शर्मा

8) अनुसंधान विधि - डॉ. नियमोहन शर्मा

9) अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया - डॉ. अर्जुन तडवी

10) हिंदी अनुसंधान :वैज्ञानिक पध्द्तियाँ -डॉ. कैलाशनाथ मिश्र

11) अनुसंधान विधि - प्रोफेसर गोविंदकुमार टी. वेकरिया

बी. ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
SEC-HIN 244 : अनुवाद विज्ञान

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) अनुवाद विज्ञान की प्रविधि से छात्रों को अवगत कराना।
2) अनुवाद विज्ञान की सैध्दांतिक विवेचन करना।
3) साहित्यिक अनुवाद, मशीनी अनुवाद से छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I - अनुवाद :-

उत्पत्तिगत अर्थ, अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद की परिभाषाएँ : संस्कृत, हिंदी तथा पाश्चात्य विद्वानों व्दारा दी गई परिभाषाएँ, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद प्रविधि, अनुवाद का महत्त्व तथा अनुवादक के गुण।

इकाई II -

अनुवाद वर्गीकरण तथा प्रकार, अनुवाद कार्य में सहायक साधन, अनुवाद के गुण-दोष, अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन, हिंदी की प्रयोजनियता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, मशीनी/कम्प्युटर अनुवाद, भाषा प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी क्षेत्र में अनुवाद, संगणक, भ्रमण-ध्वनि, मराठी तथा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद।

संदर्भ पुस्तकें :-

1) अनुवाद के विविध परिप्रेक्ष्य - डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन
2) अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ - डॉ. गिरीश सोलंकी
3) अनुवाद विज्ञान सिध्दांत एवं प्रविधि - भोलानाथ तिवारी
4) अनुवाद विज्ञान स्वरूप और समस्याएँ - डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन
5) अनुवाद अनुभूति और अनुभव - डॉ. सुरेश सिंहल
6) अनुवाद और उत्तर आधुनिक अवधारणाएँ - श्रीनारायण समीर
7) अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श - श्रीनारायण समीर
8) अनुवाद की समस्याएँ - जी. गोपीनाथन्
9) अनुवाद : सिध्दांत और प्रयोग - जी. गोपीनाथन्
10) अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ - श्रीनारायण समीर
11) अनुवाद कला : कुछ विचार - आनंद प्रकाश खेमानी
12) अनुवाद : सिध्दांत और व्यवहार - एस. के. शर्मा

13) विशेषकृत भाषा और अनुवाद - गोपाल शर्मा
14) काव्यानुवाद की समस्याएँ - महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
15) अनुवाद का समाजशास्त्र - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
16) कार्यालयी हिंदी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक - संपा. डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर
17) अनुवाद एवं संचार - डॉ. पूरनचंद टंडन राजपाल, नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 2) इकाई II पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5)	
अ) इकाई I पर आधारित टिप्पणियाँ (2 में से 1)	06
आ) अंग्रेजी अथवा मराठी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद	06

बी.ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र

DSE-HIN 242 : काव्यशास्त्र

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना।
2) गद्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
3) शब्दशक्तियों का परिचय कराना।
4) छंद एवं रसों का परिचय कराना।
5) आलोचना की क्षमता विकसित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I :-

- शब्दशक्ति - अभिधा , लक्षणा और व्यंजना का सामान्य परिचय (उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं)
- गद्य के भेद –
  - उपन्यास एवं कहानी (स्वरूप एवं तत्त्वों का विस्तृत परिचय ।)
  - निबंध,संस्मरण,रेखाचित्र,आत्मकथा,जीवनी, एकांकी, दूरदर्शन नाटक, रेडिओ नाटक (स्वरूप एवं तत्त्वों का सामान्य परिचय।)

इकाई II :-

- रस -व्याख्या, स्वरूप, रस के अंग, रस के प्रकार - श्रृंगार, वीर, करूण एवं हास्य रस (सामान्य परिचय)।
- आलोचना - स्वरूप, आवश्यकता एवं आलोचक के गुण । (आलोचना के प्रकार अपेक्षित नहीं ।)

इकाई III :-

- छंद -
  - छंद का काव्य में स्थान ।
  - निम्नलिखित छंदों का सोदाहरण परिचय
    मात्रिक छंद - दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, हरिगीतिका ।
    वार्णिक छंद - इंद्रवज्रा, शिखरिणी, भुजंगप्रयात वसंततीलिका, कवित्त।

संदर्भ ग्रंथ :

1)	साहित्य विवेचन	-	क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
3)	काव्यशास्त्र	-	डॉ.भगीरथ मिश्र
4)	काव्य प्रदीप	-	कन्हैयालाल पोद्दार
5)	साहित्यशास्त्र	-	डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
6)	काव्यशास्त्र विविध आयाम	-	डॉ. मधु खराटे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई I एवं II पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई I पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित प्रश्न	
अ) छंद का काव्य में स्थान	06
आ) छंदों का सोदाहरण परिचय (3 में से 1)	06

बी.ए. व्दितीय वर्ष - चतुर्थ सत्र
DSE-HIN 243 : नाटक विधा

✦ पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1) हिंदी नाटक विधा का विकासात्मक परिचय देना।
2) हिंदी नाटक और रंगमंच के परस्पर संबंधों पर प्रकाश डालना।
3) धरती आबा नाटक के माध्यम से आदिवासी समाज का चित्रण करना।
4) आदिवासी साहित्य और संस्कृति से छात्रों को परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I -

- हिंदी नाटक विधा का स्वरूप एवं तत्त्वों का परिचय।
- हिंदी नाटक और रंगमंच
- हिंदी नाटक विधा का विकासात्मक परिचय

इकाई II -

- प्रमुख हिंदी नाटककारों का सामान्य परिचय
- विकास के चरण - भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग।
- हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच में हृषीकेश सुलभ का योगदान ।

इकाई III - पाठ्पुस्तक :

धरती आबा - हृषिकेश सुलभ
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

संदर्भ पुस्तकें :-

1) नयी सदी के नये नाटक - डॉ. अर्जुन घरत,प्रा.संदिप कदम ,शैलजा प्रकाशन, कानपुर
2) नये हिंदी लघु नाटक -संपादक नैमिचन्द्र जैन, नॅशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली
3) हिंदी नाटक -बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
4) रंग अरंग - हृषिकेश सुलभ ,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
5) रंगमंच का जनतंत्र - हृषिकेश सुलभ, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

6) आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श -जयदेव तनेजा, अतुल प्रकाशन,कानुपर

7) हिंदी नाटक : आज कल -डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

8) हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा -डॉ. जयदेव तनेजा ,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

9) समकालीन हिंदी रंगमंच - डॉ. रमिता गुरव, विद्या प्रकाशन,कानपुर

10) हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय : 2 घंटे **कुल अंक 60**

प्र. क्र. 1) इकाई III पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
अ) बहुपर्यायी प्रश्न (8 में से 6)	06
आ) एकवाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (8 में से 6)	06
प्र. क्र. 2) इकाई III पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12
प्र. क्र. 3) इकाई III पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 1)	12
प्र. क्र. 4) इकाई I और II पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 5) इकाई III पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	12

* समकक्ष विषयों की सूची *

तृतीय सत्र (semester III)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1		1	**MIL-HIN - 236 लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (लघुकथा)**
2	HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)	2	**DSC-HIN 231 (A) कथेत्तर गद्य विधाएँ**
3	HIN-231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)	3	**DSC-HIN 231 (B) प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)**
4		4	**SEC-HIN - 234 भाषिक संप्रेषण**
5	HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)	5	**DSE-HIN 232 काव्यशास्त्र**
6	HIN-233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)	6	**DSE-HIN 233 उपन्यास विधा (समय सरगम)**

चतुर्थ सत्र (semester IV)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1		1	**MIL-HIN - 246 लेखन कौशल : मीडिया एवं साहित्य (गीत-नवगीत)**
2	HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)	2	**DSC-HIN-241 (A) श्रेष्ठ हिंदी एकांकी**
3	HIN-241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)	3	**DSC-HIN-241 (B) प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)**
4		4	**DSC-HIN-245 लघु अध्ययन परियोजना (Project)**
5		5	**SEC-HIN 244 अनुवाद विज्ञान**
6	HIN-242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)	6	**DSE-HIN 242 काव्यशास्त्र**
7	HIN-243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)	7	**DSE-HIN 243 नाटक विधा (धरती आबा)**

डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव